

श्री बलदेव राम मिर्धा जाट समाज सेवा संस्थान सांचौर, जालौर राजस्थान

दूरभाष नं. 02979-222733

1. छात्रावास विवरण—

1. जाट समाज छात्रावास सांचौर
2. पता— बी ढाणी रोड़ पीडब्ल्यूडी सांचौर के पास, एनएच-15 के पश्चिमी भाग की ओर, सांचौर, तहसील — सांचौर, जि. जालौर राज.
3. रजिस्ट्रेशन नं.— क्रमांक/9/जालौर/1996-97 दिनांक— 10/09/1996
4. मोबाइल नं. — 9672154245, 7023654819

2. **इतिहास:**— राजस्थान राज्य के पश्चिमी भाग में जालौर जिले की सांचौर तहसील मुख्यालय पर स्थित इस संस्था का इस क्षेत्र में विशिष्ट स्थान है जिसके द्वारा किये जा रहे कार्यों, प्रयासों, उपलब्धियों पर जाट समाज को गर्व है। सांचौर मुख्यालय के उत्तर पश्चिम दिशा में पीडब्ल्यूडी के डाक बंगले एवं एनएच 15 के पास 1970 में जाट समाज के भवन निर्माण हेतु सर्वप्रथम बाड़ बनाकर कब्जा स्थापित श्री पुरखाराम जाखड़ पोढा, श्री पूनमाजी नवाद, श्री केसरीमल आसू, श्री पीराराम सारण, श्री गिरधारी राम खुड़खुड़िया व श्री पाबूराम सियाग का मुख्य सहयोग रहा। 1988 तक संस्था की गतिविधियां धीमी रही। 1989 में सभी समाज बन्धुओं के चन्दे से चारदीवारी का निर्माण करवाया गया इस कार्य में युवा कार्यकर्ता के रूप में मकाराम ताडा, ऊमाराम जाणी, डालूराम भादू, नगजी लेगा, भानजी ताडा, ने सराहनीय कार्य किया। 11/09/1990 का चौधरी देवीलाल उप प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली के करकमलों द्वारा श्रीमती मदन कौर के सानिध्य में संस्था भवन निर्माण का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष श्री केसरीमल आसू, के. आर. बंधाहुआ, व मंत्री श्री पुरखाराम जाखड़ वाढा के नेतृत्व में विशाल जाट समुदाय ने संस्था भवन निर्माण में तन मन एवं धन से सहयोग देने का संकल्प लिया और संस्था मंत्री श्रीमान पुरखाराम जी जाखड़ ने संस्था का नाम किसान केसरी, किसानों के मसीहा, किसान कौम के हितैषी श्री बलदेवराम जी मिर्धा के नाम पर रखा गया। सन 1996 संस्था का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। जिसकी रजिस्ट्रेशन संख्या 9/जालौर/1996-97 दिनांक— 10/09/1996 है। इसी क्रम दिनांक 24/06/02 को राजस्थान सरकार द्वारा 6656.67 वर्गज भूमि का आवंटन क्रमांक प. 2(67) राज./ग्रुप-3/99 के द्वारा निशुल्क किया गया। इस प्रकार बाड़ बनाकर जो भूमि 1970 में उत्तम उद्देश्यों को लेकर कब्जा कर बाड़ बनाई गयी। उसको राज्य सरकार के द्वारा निशुल्क पट्टा आवंटित जाट समाज सांचौर को सुपुर्द कर दिया गया।

“ये खामोश मिजाज जिन्दगी जीने नहीं देगी।

इस दौरान जीना है तो कोहराम मचा दो।।

जिसको न निज गौरव तथा निज अभिमान है।

वह नर नहीं नीरा प्रभू व मृतक समान है।।

संस्था भवन:— वर्तमान में संस्था का 2 मंजिला बना हुआ है भूतल पर बाहर की तरफ 19 दुकाने व अन्दर के भाग में 17 कमरे एवं सुविधाएं उपर की मंजिल में सभा भवन, डाईनिंग हॉल, 24 कमरे सुविधाओं से

युक्त है प्रांगण के अन्दर पश्चिम दक्षिण भाग में 20 कमरे लैटबाथ अटेच बने हुए है जिसमें समाज के कर्मचारी बाहर के रहते है प्रांगण के बीचोबीच किसान केसरी श्री बलदेवराम जी मिर्धा की अष्टधातु की मूर्ती स्थापित है । जिसकी स्थापना 17/01/2008 को श्री रामनारायण जी डूडी राजस्व मंत्री राजस्थान सरकार जयपुर के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमान हेमाराम चौधरी नेता प्रतिपक्ष विधानसभा राजस्थान की अध्यक्षता में की गई । इस समय संस्था अध्यक्ष जोगेन्द्र सिंह चौधरी सचिव लक्ष्मण सिंह जाणी व मंत्री रामचन्द्र जाखड़ का विशेष योगदान रहा। संस्था में एकसाथ 25000/- रुपये दान देने वाले भामाशाहों के नाम की पट्टीका लगाने का निर्णय किया गया व साथ ही प्रतिवर्ष भामाशाह सम्मान व प्रतिभा सम्मान समारोह का नियमानुसार आयोजन शुरू किया गया । संस्था की आय के लिए 1000/- में आजीवन सदस्य शुल्क रखा गया और सैकड़ों लोगो को सदस्य बनाया गया। इस प्रकार धीमे धीमे चलते चलते 15/10/02 को द्विवार्षिक आम बैठक में वर्तमान अध्यक्ष सवाईराम जाखड़ ने नये अध्यक्ष के रूप में जोगेन्द्र सिंह जी जाणी आईएन नर्मदा कैनल अधिकारी थे का नाम प्रस्तावित किया गया। जिसको सभी सर्वसम्मति से स्वीकार किया। ये संस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ था। जाणी ने अपनी नेक इमानदार कर्तव्यनिष्ठ कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें मकाराम चौधरी जाटों का गो. ऊमाराम जी जाणी डूंगरी आईएन, ठाकराराम गोदारा, रामचन्द्र जाखड़ वोढा, दीपाराम जाखड़ देवड़ा, लक्ष्मणसिंह जाणी डूंगरी, देरावरसिंह आसू डूंगरी आदि को कार्यकारिणी में सम्मिलित किया। उपरोक्त सभी मेम्बर पढे लिखे ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, समाज के हितैषी थे। इन्होंने दिन रात एक करके समाज को नई बुलन्दियों पर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ी अर्थात् चन्दा करना, हॉस्टल संचालित कर नया निर्माण, आय के लिए इनामी ड्रॉ, भामाशाह सम्मान, प्रतिभा सम्मान, बालिका शिक्षा, नशा मुक्त समाज, स्वस्थ समाज, कुरीतियां निवारण आदि के लिए दिन राज काम कर समाज का नाम नई ऊंचाईया पर ले जाने में अपना कीमती समय और धन से सहयोग किया और संस्था के लिए चार्टर का निर्माण किया।, सभी के लिए उसका पालन अनिवार्य किया। सभी भामाशाहों का नाम मुख्य गेट की दीवार पर चार्ट के रूप में लिखे गये। 05/10/03 की आम बैठक व समारोह की अध्यक्षता श्री मोहनराम जी बेंदा प्राचार्य पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जोधपुर ने की व मुख्य अतिथि श्री छैलारामजी सारण प्रधान लूणी थे।

12/10/03 को संस्था प्रांगण में एक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 400 लोगों को लाभान्वित किया गया।

संस्था प्रांगण में मन्दिर निर्माण:- संस्था के कर्णधार संरक्षक श्रीमान पुरखाराम पुत्र श्री गुमनाराम जी जाखड़ परिवार ने संस्था प्रांगण के उत्तर पूर्व दिशा में जाटेश्वर महादेव मन्दिर बनाकर सहर्ष भेंट करने की इच्छा व्यक्त की जिसका उपस्थित सभी जाट समुदाय ने करतल ध्वनि से स्वागत व समर्थन किया गया।

24/11/2004 का वार्षिक आम बैठक में श्री नारायणरामजी वेड़ा पूर्व विधायक भोपालगढ की अध्यक्षता व श्रीमान हेमाराम जी विधायक गुड़ामालानी के मुख्य आतिथ्य में द्विवार्षिक समारोह का आयोजन रखा गया। उपरोक्त मेहमानों द्वारा संस्था भवन की प्रथम मंजिल पर आयोजित जो भामाशाह स्व. भोमाराम पुत्र श्री गजाराम जी जाखड़ वाढा के द्वारा निर्मित सभाभवन व डाईनिंग हॉल जिसके भामाशाह श्रीमान दुर्गाराम जी लालाजी गोदारा कोटड़ा थे जिनका उदघाटन किया गया व साथ ही भामाशाह व प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। इसके बाद समाज में निर्माणाधीन कार्यों के लिए धन की आवश्यकता हुई जिसके लिए एक ईनामी ड्रॉ कूपन योजना की शुरुआत की गई जिसकी अवधि 12/10/05 तक रखी गई और कूपन बुक्स छपवाई गई प्रति कूपन 100/- रखा गया और उसका विवरण धूम धड़ाके के साथ किया

गया। इस योजना में घड़ी से लेकर ट्रेक्टर व केम्पर गाड़ी जैसे इनाम रखे गये। 29/01/2006 को इनामी ड्रॉ का वितरण किया गया। इस योजना से समाज को लगभग 60 से 70 लाख तक की आय हुई जिस आवश्यकतानुसार समाज विकास में लगाया गया। इस मुख्य रूप से श्रीमती मदन कौर जिला प्रमुख बाड़मेर, श्री सुरेन्द्रसिंह चौधरी थानाधिकारी सायला, श्री चेतन जी जाणी, रामचन्द्रजी आसू आरपीएस, अचलाराम जी जाणी धोरीमन्ना, उमारामजी जाणी एईएन, गणपतसिंह जी आसू, जोगाराम जी पचार, रामचन्द्र जाखड़ वोढा, (मुख्य खंजाची) निम्बाराम धतरवाल, बाबूलाल सारण, मकाराम गोदारा, आदि ने अपना कीमती समय देकर इस योजना को सफल बनाया।

उपरोक्त इनाम वितरण कार्यक्रम मै मेहमान श्री हरीशजी चौधरी उपाध्यक्ष युथ कांग्रेस राजस्थान, श्रीमती पेपादेवी चौधरी प्रधान सिणधरी, पूनारामजी डूडी SHO सांचोर, श्री एन. के. जाट, कस्टम अधिकारी गांधीधाम श्रीमती सरोज धायल एसआई सांचौर श्री राजेन्द्र चौधरी श्री देव कुमार व प्रबन्ध कार्यकारिणी व अध्यक्ष श्री जोगेन्द्रसिंह चौधरी अध्यक्ष संस्था सांचोर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सामाजिक सुधार नशाबन्दी जागरूकता रैली 2007 :-

समाज में बढ़ती नशाप्रवृत्ति व कुरीतियों को मिटाने के लिए संस्था प्रांगण में बैठक का आयोजन किया जाकर निर्णय लिया की सांचौर चितलवाना क्षेत्र के जाट बाहुल्य गांवों में जाकर रात्रिविश्राम वहीं कर अपने सजातीय बन्धुओं युवाओं को नशामुक्ति, बाल विवाह मृत्युभोज आदि से मुक्त किया जावे। इसके फलस्वरूप चार-पांच रथ तैयार किये गये उन पर नशामुक्ति, बाल विवाह, मृत्युभोज तम्बाकु सेवन से सम्बन्धित पर्दे लगाये स्लोगन लिखवाकर तैयार करवाये गये, भोंपु प्रचार की व्यवस्था की।

इस प्रकार दिनांक 01/06/07 से 19/06/2007 तक सभी जहां जाटों के गांव थे उनके गांव-गांव ढाणी तक रथ यात्रा निकाली गई उसमें समाज के प्रतिष्ठित पढे लिखे लोगों को वक्ता के रूप में बुलाया गया और समाज में नशा मुक्ति व कुरीतियों मिटाने के लिए संदेश दिया जाग्रति फैलाई। इसमें कई समाज बन्धुओं ने नशामुक्ति बालविवाह व मृत्युभोज नहीं करने की शपथ ली।

संस्था का संरक्षक मण्डल

1. श्रीमान पुरखरामजी जाखड़ वोढा
2. श्री डालूराम जी भादू कागोड़
3. श्री निम्बाराम जी जाखड़ डूंगरी
4. श्री मकाराम जी ताडा जाटों का गोलिया झाब
5. श्री भानारामजी ताडा जाटों का गोलिया झाब
6. श्री रूपाराम जी सियाक सजारा
7. श्री मूलाराम जी सियाक सजारा रिटायर्ड एसआई
8. श्री केसरीमल जी आसू के आर बंधाकुआ
9. श्री लक्ष्मणजी तरड़ लक्ष्मीपुरा डीसा (गुजरात)
10. श्री पुरखाजी कानाजी खदाव लक्ष्मीपुरा डीसा (गुजरात)
11. श्री नपाराम जी लालाजी सारण टांपी

12. श्री खरतारामजी नेताराम साईं कलजी की बेरी
13. श्री सवाईराम जी जाखड़ खड़ीन
14. श्री वागारामजी जांदू सेड़िया
15. श्री रामचन्द्रजी जांगू सेड़िया

संस्था के पूर्व अध्यक्षों की सूची

1. श्रीमान पुरखाराम जी जाखड़ वोढा
2. श्रीमान केसरीमलजी आसू के आर बंधाकुआ
3. श्रीमान सवाईराम जी जाखड़ खड़ीन
4. श्रीमान स्व. जोगेन्द्र सिंह जी जाणी एक्सईएन नर्मदा विभाग नि. खारा सांचौर
5. श्रीमान जालाराम जी पूनियां डूंगरी
6. श्रीमान लक्ष्मणारामजी सारण सरपंच गुन्दाउ (वर्तमान में)

श्री बलदेवराम जाट समाज सेवा संस्थान सांचौर की प्रबन्ध कार्यकारिणी

1. अध्यक्ष— श्री लक्ष्मणारामजी सारण सरपंच गुन्दाउ
 2. उपाध्यक्ष— श्री देराजराम जाणी आरवा कलजी बेरी
- उपाध्यक्ष— श्री रमेश कुमार जाखड़ व पनारामजी ताडा
 सचिव— श्री रामचन्द्र जी जाखड़ व.अ. वोढा
 मंत्री— श्री देरावरसिंह आसू के आर बंधाकुआ
 कोषाध्यक्ष— रामलालजी सारण सांचौर
 सदस्य— श्री नेनाराम सियाक सजारा
- श्री दीपाराम जाखड़ देवड़ा
 श्री सुखराम गोदारा देवड़ा
 श्री मंगलाराम लोल सांचौर
 श्री जोगाराम पंचार दूठवा
 श्री खींयाराम जांदू भारीप
 श्री रमेश जाखड़ डूंगरी
 श्री भेराराम तरड़ सेसावा

संस्था के उदयमान चमकते भामाशाह

1. श्रीमान पुरखारामजी गुमनाजी जाखड़ वोढा
2. श्रीमान पूनमाराम भोमाजी जाखड़ वोढा
3. श्रीमान स्व. भागीरथराम मानाजी जाखड़ वोढा
4. श्रीमान दुर्गाराम लालाजी गोदारा कोटड़ा
5. श्रीमान केसरीमल जी तुलसाराम जी आसू के आर बंधाकुआ
6. श्रीमान स्व. ठाकराराम देवाराम जी गोदारा
7. श्रीमान नवल किशोर गोदारा भियाड़ बाड़मेर

8. श्रीमान सोनाराम रुगाजी जांदू पादरडी
9. श्रीमान हीराराम छैलारामजी बेनिवाल डूंगरी
10. श्रीमान अमराराम किशनाजी भास्कर सांचोर
11. श्रीमान दूदाराम गेनाराम जी ढाका आडेल
12. श्रीमान लूम्बाराम मोतीराम जी पूनीया डूंगरी

मन्दिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम:-

संस्था प्रांगण के उत्तर पूर्व में श्री पुरखारामजी जाखड़ की घोषणा के अनुसार “गुमनाणी जाखड़ परिवार वोढा” की देखरेख में पूर्ण हो चुका था। मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा व मूर्ति स्थापना का निर्णय अप्रैल 2008 में करने का निर्णय लिया।

इस प्रकार मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा 18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2008 को रखी गई तीन चार दिवस बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम हुआ प्रथम दिवस बधावणा शोभायात्रा निकाली गई जिसके मुख्य पण्डित पुखराज द्विवेदी थे, भजन संध्या रखी गई जिसमें कई समानित जाट समाज के लोगों ने भाग लिया व चढावे की बोलियों बोली गई शिव मन्दिर के कलश की बोली श्री पुरखारामजी जाखड़ वोढा ने 401000 चार लाख एक हजार में सहर्ष स्वीकार की ध्वजा मुख्य बोली सोनारामजी जान्दू परिवार ने 350000/- में ली उनका भी करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। संस्था में 50-60 लाख की आय हुई जिसे आगामी विकास कार्य में खर्च किया गया।

श्री बलदेवराम जी की मूर्ति स्थापना:-

संस्था प्रांगण में श्री बलदेवरामजी मिर्धा की अष्ट धातु की मूर्ति का अनावरण उनके दिवस 17/01/08 को अनावरण मुख्य मेहमान श्री हेमाराम चौधरी विधायक गुड़ामालानी व श्री रामनारायणजी डूडी राजस्व मंत्री राजस्थान सरकार के हाथों किया गया।

स्मारिका विमोचन:-

सन 2008 में जाट समाज सांचौर प्रबंध कार्यकारिणी ने एक स्मारिका संकलित कर छपवाने का निर्णय किया गया जिसका नाम रखा गया—

“जाट समाज सांचोर आज तक 2008” जिसका सम्पादन श्री मकाराम ताडा, जोगेन्द्रसिंह चौधरी, रामचन्द्र जाखड़, लक्ष्मणसिंह जाणी व देरावरसिंह आसू ने किया। इस पुस्तक में लगभग 200 पेज है मुख्य रूप में इसमें जाट समुदाय सांचोर का आइना व सांख्यिकी है कि जाट समुदाय की जनसंख्या शैक्षिक आर्थिक सामाजिक स्थिति, संसाधनों, भूमि आदि का विवरण है यथा—

कुल परिवारों की संख्या	पुरुष	महिला	कुल 3264
जनसंख्या	10881	9783	20664
लिंगानुपात	1000	875	—
प्रति परिवार औसत सदस्य संख्या	3.32	2.90	6.22

शैक्षणिक विश्लेषण

	पुरुष	महिला	योग	पुरुष प्रति	महिला प्रति.	योग
कुल साक्षरता	4725	2069	6794	53.87	26.76	41.32
प्राथमिक स्तर	2476	1461	3937	52.40	70.61	57.95
उच्च स्तर	1375	433	1808	29.10	20.93	26.61
सैकेण्डरी	501	134	635	10.60	6.48	9.35
हायर सैकेण्डरी	199	33	232	4.21	1.59	3.41
स्ना. स्नातो.	141	08	149	2.98	0.38	2.19
तकनीकी	33	—	33	0.70	—	0.48

प्रति परिवार औसत भूमि 4.48 है. 28 बीघा

प्रति परिवार आय 67000 वार्षिक 5583/— मासिक

ट्रेक्टर 1500

जीप कार 300

मोटरसाइकिल 1600

संस्था विकास में आर्थिक सहयोग के पक्ष में राय

क्या प्रत्येक परिवार जाट समाज सांचोर को प्रति वर्ष 200/- रुपये देने के लिए सहमत है—

संख्या		प्रतिशत	
हां	नहीं	हां	नहीं
2863	280	89.44	10.56

- वर्तमान में संस्था की निगरानी के लिए श्री रामलाल जी जाणी को संस्था का वार्डन बनाया गया है ये पिछले 10 वर्षों से सेवायें दे रहे हैं। इनका 20000/- प्रतिमाह वेतन है।
- पूर्व विद्यार्थी एल्यूमिनी का आयोजन नहीं हुआ है इस और अब आगामी बैठक में विचार विमर्श किया जायेगा।

भौतिक संसाधन (सुविधाएं)

- संस्थान के चारों तरफ 7 फीट की दीवार बनी हुई है।
- समाज भवन में बाहर की तरफ 19 दुकाने व्यावसायिक बनी हुई है।
- समाज में कुल $7+7+17+8=39$ कमरे बने हुए।
- ऊपरी मंजिल पर एक 30x55 का हॉल 20x20 का डाईनिंग हॉल एक रसोई घर निर्मित है। एक हॉल नीचे रा. मंत्री सुखरामजी ने बनाकर भेंट किया है।
- 10 नीचे व 10 ऊपरी मंजिल पर स्नानघर टॉयलेट बने हुए हैं।
- एक पानी की प्याउ आर ओ, यू वी प्लांट सहित बने हुए हैं।
- दो बड़े पानी के टांके बने हुए हैं।
- संस्था प्रांगण में तीन मन्दिर बने हुए हैं हनुमान जी तेजाजी व शिव मन्दिर हैं।
- संस्था प्रांगण में एक 20 कमरों का तीन मंजिला बालिका छात्रावास अत्याधुनिक रसोईघर बाथ टॉयलेट सहित निर्माणाधीन है।
- वर्तमान में अभी कोई रसोईघर संचालित नहीं है छात्रा कर्मचारी अपने स्तर पर भोजन बना रहे हैं।
- प्रांगण में वॉलीबाल व कबड्डी नियमित खेल मैदान है।

विद्यार्थी विवरण

1. वर्तमान में संस्था छात्रावास में 55 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं
2. संस्था में विद्यार्थियों के लिए 25 कमरे आरक्षित हैं जिसका न्युनतम किराया 500/— प्रतिमाह लिया जा रहा है
3. संस्था में वर्तमान में स्थायी रूप से रह रहे दो अध्यापकों को सुबह शाम 2 घण्टे विद्यार्थियों को गणित विज्ञान अंग्रेजी पढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है जिससे बालको को हेल्प मिले।
4. विद्यार्थियों को सुबह जल्दी उठाकर प्रार्थना योगा आदि भी करवाया जा रहा है।
5. संस्था में आगामी योजना पुस्तकालय संचालित करने की है जिसके लिए सकारात्मक प्रयास किए जा रहे ।

संस्था में वर्तमान में 7 अध्यापक, 3 पटवारी, 4 बैंककर्मी, 2 पुलिसकर्मी स्थायी रूप से निवासरत हैं जो संस्था में यथा सम्भव योगदान देते हैं।

छात्रावास में विद्यार्थियों को आवेदन के आधार पर प्रवेश दिया जाता है हमारे एरिया में जाटों की संख्या कम होने के कारण जितने विद्यार्थी आवेदन करते हैं लगभग उन सभी का प्रवेश हो जाता है।

समय-समय पर विद्यार्थियों को विभिन्न जयंतियों विशेष दिनों में संगोष्ठी का आयोजन, वाद विवाद, भाषण, निबन्ध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती रहती हैं। जाट समाज सांचोर के अध्ययनरत समस्त छात्र छात्राओं में बोर्ड स्तर व उच्च कक्षाओं में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र व छात्रा दोनों कैटेगिरी को वार्षिक सम्मेलन में प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाता है इसके अलावा नवनियुक्त कर्मचारी, अधिकारी, जनप्रतिनिधि को भी प्रमाण पत्र व मोमेन्टो से सम्मानित किया जाता है।

समाज में हर दो वर्ष बाद वार्षिक व द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। इसमें हर दो वर्ष बाद प्रबन्ध कार्यकारिणी का चुनाव करवाया जाता है और नवीन पदाधिकारी बनाये या चुने जाते हैं।

समाज की आय के स्रोत:-

1. समस्त जाट परिवारों से प्रतिवर्ष प्रति चुल्हा 200/— जाटों से अनिवार्य लिया जाता है यह जिम्मेवारी सदस्यों की होती है।
2. 19 व्यावसायिक दुकानों से प्राप्त किराया प्रतिमाह 4000/—

3. 7 कमरा प्रतिमाह 2000 /—
4. 7 कमरा प्रतिमाह 2000 /—
5. 17 कमरा प्रतिमाह 2500 /—
6. 8 कमरा प्रतिदिन 200 /—
7. 15 कमरा प्रति छात्र प्रति माह 500 /—
8. स्माज बन्धनों से प्राप्त चन्दा से आय।
9. इवेन्ट और प्रोत्साहन राशि
10. शादी पार्टियों के लिए किराये से आय।

कार्यकारिणी का गठन सम्बंधी चार्टर

1. संस्था में दो प्रकार के समारोह आयोजित होते हैं एक वार्षिक व दूसरा द्विवार्षिक सम्मेलन।
2. हर वर्ष भामाशाह सम्मान व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन मन्दिरों की वर्षगांठ पर आयोजित किया जाता है और मन्दिरों की सजावट की जाती है भजन संध्या, भोजन प्रसादी भी रखी जाती है। मन्दिरों पर हर वर्ष नई ध्वजा लाभार्थी परिवार द्वारा चढ़ायी जाती है।
3. द्विवार्षिक समारोह में नवीन प्रबन्ध कार्यकारिणी का चुनाव करवाया जाता है जिसमें 1000 /— अदा कर बने आजीवन सदस्यों को वोट डालने का अधिकार प्राप्त है लेकिन आज दिनांक तक मतदान की नौबत नहीं आयी है। समस्त कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से हो जाता है।

संस्थान की अन्य मुख्य संस्थानों से दूरी

1. छात्रावास से 3 किमी अंग्रेजी माध्यम राज. विद्यालय है।
2. 2 किमी तहसील उपखण्ड कार्यालय है।
3. GSSS 2 किमी दूरी पर है।
4. 2.5 किमी राजकीय कॉलेज है।
5. PHD व PWD दीवार से लगते ही है।
6. रा. कृषि मण्डी 400 मीटर दूरी पर है।
7. पुलिस थाना 3 मीटर दूर है।
8. NH-15 100 मीटर दूरी पर है।

सचिव

रामचन्द्र जाखड़

श्री बलदेवराम मिर्धा जा.स.से. संस्थान सांचोर